Ax – उसे नासरी कहा जाएगा मत्ती २:१९-२३ | 1

– Save This Page as a PDF–

उसे नासरी कहा जाएगा

मत्ती २:१९-२३और लूका २:३९

खोदाई: युसूफ के सामने स्थानांतरण के कौन से विकल्प थे? परमेश्वर ने किस प्रकार भविष्यवाणी, स्वप्न, विश्वास और परिस्थितियों का उपयोग अपने मार्गदर्शन के लिए किया? लूका आज विश्वासियों को क्या दिखाने की कोशिश कर रहा था?

प्रतिबिंब: यदि परमेश्वर ने आपको उसके साथ आगे बढ़ने के लिए कहा है, तो आपको “हाँ” कहने में कितना समय लगेगा? क्या कोई देरी होगी? क्यों या क्यों नहीं?

यद्यपि यीशु को अपने वयस्क वर्षों में अधिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, हेरोदेस की मृत्यु ने उसे उसकी सार्वजनिक सेवकाई शुरू होने तक अपेक्षाकृत राहत का समय दिया। जबकि मत्ति ने हेरोदेस द्वारा एक बार बच्चों की हत्या का उल्लेख किया है, उन्होंने हेरोदेस की मृत्यु को तीन बार नोट किया है – यह दर्शाता है कि केवल यहोवा ही जीवन और मृत्यु की अंतिम शक्ति रखता है। उत्पीड़ित विश्वासियों के लिए, चाहे उनके विश्वास के लिए सताया गया हो (मत्ती १०:२२; पहला पतरस ४:१३-१४) या अन्य अन्यायपूर्ण कारणों से दमित किया गया हो (मत्तीआहू ५:३९-४१; याकूब ५:१-७), उत्पीड़कों का यह स्मरण ‘ नश्वरता एक अनुस्मारक है कि सभी परीक्षण अस्थायी हैं और उनके प्यारे पिता का समय और स्थान के पूर्ण नियंत्रण में है (मत्ती १०:२८-३१; पहला पतरस ५:१०)।

हेरोदेस के मरने के बाद, यहोवा का एक दूत एक बार फिर मिस्र में यूसुफ को स्वप्न में दिखाई दिया और कहा: उठ, बालक और उसकी माता को लेकर इस्राएल के देश में चला जा (मत्तीयाहू २:१९९-२०a)। ब्रिट चडाशाह पवित्र भूमि को क्या कहते हैं? फिलिस्तीन नहीं बल्कि एरेट्ज़-इज़राइल या इज़राइल की भूमि। इसी तरह, यरूशलेम के उत्तर और दक्षिण के क्षेत्रों को पश्चिमी तट नहीं बल्कि यहूदा और सामरिया के लिए यहूदा और शोमरोन कहा जाता है (प्रेरितों के काम १:८)। नई वाचा, आज के इस्राएलियों की तरह, उन नामों का उपयोग करती है जिनका इब्रानी बाइबल उपयोग करती है, न कि वे जो रोमनों या अन्य विजेताओं द्वारा नियोजित किए गए थे।

क्योंकि जो बालक के प्राण लेना चाहते थे, वे मर गए हैं (मत्ती २:२०b)। एरेट्ज़- इज़राइल में लौटने की स्वर्गदूत दिशा स्पष्ट रूप से पलायन की ओर इशारा करेगी। अब यहोवा ने मिद्यान में मूसा से कहा, “मिस्र को लौट जा, क्योंकि जितने तुझे मार डालना चाहते थे वे सब मर गए” (निर्गमन ४:१९)। मूसा की कहानी की कहानी से परिचित

Ax – उसे नासरी कहा जाएगा मत्ती २:१९-२३ | 2

कोई भी यहूदी संदर्भ को पहचान गया होगा; मूसा की तरह, यीशु अपने सताने वाले से बच गया था और अपने लोगों को उद्धार की ओर ले जाएगा (मत्तीयाहू १:२१; प्रेरितों के काम ७:३५)। हेरोदेस शायद अपने जीवन के अंत के करीब था जब यूसुफ और मरियम अपने बच्चे के साथ मिस्र भाग गए, लेकिन हमारे पास यह जानने का कोई तरीका नहीं है कि वे वहां कितने समय तक रहे। अनुमान कुछ हफ़्ते से लेकर कुछ वर्षों तक होते हैं। तो कोई अनुमान केवल अटकलें होगी।

लेकिन हम जानते हैं कि हेरोदेस एक भयानक मौत मरा। उन्होंने कैलिरहो के खनिज स्नान में थोड़ी देर के लिए राहत मांगी थी। वहां उसने आत्महत्या का प्रयास किया लेकिन उसे रोक लिया गया। जोसेफस ने बताया कि हेरोदेस के बृहदान्त्र में अल्सर हो गया था, और एक पारदर्शी तरल पदार्थ उसके पैरों के नीचे और उसके पेट के नीचे बस गया था, जो सड़ गया था और कीड़ों से भर गया था। जब वह सीधे बैठे, तो उन्हें सांस लेने में कठिनाई हो रही थी और उनके शरीर के सभी हिस्सों में ऐंठन भी हो रही थी (जोसेफस, एंटिक्विटीज, अध्याय १७६. ५)। एक उपयुक्त अंत, मुझे लगता है, उसके लिए जिसने अपने जीवनकाल में दूसरों को इतना दुख दिया। हालांकि, यह इतना उचित नहीं था कि उनके सबसे बड़े बेटे और उत्तराधिकारी, आर्केलौस ने उनके सम्मान में व्यवस्था की – यह देखते हुए कि सिर्फ पांच दिन पहले, हेरोदेस ने रोम से अनुमति लेकर, अपने पिता के खिलाफ एक कथित साजिश के कारण एक और बेटे, एंटीपेटर की हत्या कर दी। कहने की जरूरत नहीं है, उनके पास मुद्दे थे।

जब यूसुफ और उसका परिवार मिस्र भाग गए तो वे बेतलेहेम से चले गए, वह शहर जिसे उन्होंने यीशु के जन्म के बाद बसने के लिए चुना था, शायद मीका ५:२ की भविष्यवाणी को ध्यान में रखते हुए। जबकि मीका ५:२ ने भविष्यवाणी की थी कि मसीहा बेत-लेकेम में पैदा होगा, इसने कभी भविष्यवाणी नहीं की कि वह वहाँ भी जी उठेगा। जब यीशु दो वर्ष का था तो उसे मिस्र ले जाया गया और वह अज्ञात समय तक वहाँ रहा।

जब छोटा यीशु भूमि पर लौटा, तो उसे नासरत लाया गया। लोग उदार, आवेगी, शिष्टाचार में सरल, तीव्र राष्ट्रवाद से भरे, स्वतंत्र और यहूदिया की परंपरावाद से स्वतंत्र थे। यरुशलम के रैबिनिक हलकों ने गैलिलियों को उनके बोलने के तरीके, बोलचाल की भाषा और पवित्र शहर में रहने वाले लोगों की एक निश्चित प्रकार की संस्कृति की कमी के कारण तिरस्कार में रखा। गैलीलियों पर बड़ों की परंपराओं की उपेक्षा करने का आरोप लगाया गया था (देखें Ei – मोखिक नियम), जबकि यहूदिया ने रूढ़िवादी और यहूदी संस्थानों के रक्षक के गर्वित भंडार होने का दावा किया था। जिस तिरस्कार के साथ यहूदी गलीलियों को देखते थे, वह ईर्ष्या के एक बड़े हिस्से के कारण अन्यायपूर्ण था, क्योंकि उनकी अपनी बंजर भूमि की तुलना गलील के फलदायी और सुंदर देश से नहीं की जा सकती थी। यह इस जोरदार, देहाती, स्वतंत्रता-प्रेमी गैलिलियन लोगों के बीच में था कि यीशु का जन्म हुआ था।

जब यूसुफ और मरियम ने यहोवा की व्यवस्था के अनुसार सब कुछ किया, [वे] बच्चे को

Ax – उसे नासरी कहा जाएगा मत्ती २:१९-२३ | 3

लेकर गलील में अपने नगर नात्जेरेत को लौट गए (मत्ती २:२१; लूका २:३९a)। लूका ने अपने पाठकों के लिए यूसुफ और मरियम को आदर्श के रूप में चित्रित किया। उन्होंने, जकर्याह और इलीशिबा की तरह (लूका १:६), तोराह का ईमानदारी से पालन किया। यह कोई साधारण ऐतिहासिक मारक नहीं था जिसका उसके पढ़ने के लिए कोई मूल्य नहीं था रुपये। बल्कि, लूका ने यह दिखाने की कोशिश की कि थियुफिलुस (प्रेरितों के काम १:१-२) और अन्य विश्वासियों को इसी तरह जीना चाहिए।

यह आखिरी बार है जब हम सुसमाचारों में यूसुफ के बारे में सुनते हैं। वह वास्तव में यीशु की कहानी में भुला दिया गया व्यक्ति है। हम जानते हैं कि वह एक आम आदमी था जिसने दृश्य में ज्यादा उत्साह नहीं जोड़ा, लेकिन वह एक मूक नायक है। वह परमेश्वर में सरल विश्वास और आज्ञाकारिता रखने वाला एक भक्त व्यक्ति था। शास्त्र उसके मुँह से एक भी शब्द रिकॉर्ड नहीं करता है; हालाँकि, यूसुफ की हमारी विरासत वह नहीं है जो उसने कहा, बल्कि उसने जो किया उसमें है। यूसुफ के बच्चे कैसे निकले? उनमें से दो, याकूब और यहूदा, ने बाइबल की पुस्तकें लिखीं, और उन्होंने अपना जीवन अपने मानवीय भाई और आत्मिक प्रभु, यीशु की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। एक वफादार पिता की क्या गवाही है।

हेरोदेस महान मर चुका था। उसकी मृत्यु के कुछ दिन पहले, एक सामरी पत्नी (जोसेफस एंटिक्विटीज १७:२०) द्वारा उसके पुत्र अरखिलाउस को शासक नामित किया गया था। परन्तु उसका पुत्र अर्खिलाउस, जो अपने पिता से भी अधिक क्रूर और दुराचारी था, यहूदिया में राज्य करता रहा। यूसुफ बेतलेहेम वापस जाने से डरता था, क्योंकि उसे सपने में चेतावनी नहीं दी गई थी। इसलिए वह अपने परिवार को गलील जिले में ले गया और नासरत नामक एक भूले हुए छोटे शहर में बस गया (मत्ती २:२२-२३a; लूका २:३९b)। नत्ज़ारेथ गलील जिले में यरूशलेम के उत्तर में लगभग ५५ मील की दूरी पर था, जहाँ पवित्र आत्मा ने उसे जाने के लिए कहा था। यह लगभग डेढ़ मील चौड़ा एक ऊंचा बेसिन था। क्योंकि यह यिज्रेल की घाटी का एक उत्कृष्ट दृश्य था और आसानी से बचाव योग्य था, यह एक रोमन चौकी थी। रोमन सैनिक असभ्य और हिंसक थे, और नासरत के लोगों ने उनके नेतृत्व का अनुसरण किया। नतीजतन, नाज़रीन शब्द अवमानना का एक शब्द बन गया, जिसका इस्तेमाल निम्न वर्ग, असभ्य और असभ्य लोगों को चित्रित करने के लिए किया जाता था।

यह समझना जितना कठिन है, अरखिलाउस अपने पिता हेरोदेस से भी बुरा था। उसके पास अपने पिता के सभी दोष थे लेकिन उसके कुछ उद्धारक गुणों में से कोई भी नहीं था। वह इतना बुरा था कि अंततः रोम ने उसे गॉल में विएना भेज दिया (जोसेफस एंटिक्विटीज १७:३४२:४४)। हालाँकि, जब यीशु मिस्र से लौटा, तो अरखिलाउस यहूदिया का प्रभारी था। वह अपने अत्याचार, हत्या और अस्थिरता के लिए जाना जाता था। यहूदियों से घृणा करने के कारण, जैसे ही वह सत्ता में आया, उसने फसह में मंदिर में ३००० यहूदियों का वध किया। सबसे अधिक संभावना है कि करीबी पारिवारिक अंतर्विवाहों के परिणामस्वरूप वह पागल हो गया था। इसलिए, उसके साथ समस्याओं से बचने के लिए (जो

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]


CELEBRATING THE NAME THAT IS ABOVE ALL NAMES
He will be called...
NAZARENE
MATTHEW 2:23

[illegible]

Ax – उसे नासरी कहा जाएगा मत्ती २:१९-२३ | 5

साहित्य से अनुपस्थित है। तो भविष्यवक्ताओं द्वारा मसीहा का ऐसा विचार कहाँ पाया जा सकता है? यह भविष्यवाणियों में पाया गया था कि मसीह को मनुष्यों द्वारा तिरस्कृत और अस्वीकार किए जाने के रूप में चित्रित किया गया था (यशायाह ५२:१३-५३:१२; भजन संहिता २२:६-८ और ६९:२०-२१)। वास्तव में, सुसमाचार लेखक यह बिल्कुल स्पष्ट करते हैं कि उनका तिरस्कार और घृणा की गई थी (मत्तीयाहु २७:२१-२३; मरकुस ३:२२; लूका २३:४-५; यूहन्ना ५:१८, ६:६६, ९:२२ और २९)। .

मत्ती इस तथ्य से अनभिज्ञ नहीं था कि ऐसा कोई पद नहीं था जिसमें विशेष रूप से नासरत का उल्लेख किया गया हो। फिर भी, कोई भी शिक्षित यहूदी नत्ज़ेरेट शहर और मसीहा के बीच के संबंध को समझेगा। शहर का नाम, वास्तव में शाखा के लिए हिब्रू शब्द से लिया गया है, जो साव के लिए एक सामान्य शब्द को ध्यान में रखेगा। या खुद। यिशै के ठूंठ से एक कोंपल निकलेगी; उसकी जड़ में से एक डाली निकलेगी (यशायाह ११:१), और उससे कहो, स्वर्ग का यहोवा, सेनाओं का यहोवा यों कहता है: जिस पुरूष का नाम डाली है, वह यहां है, और वह अपने स्थान में से फूटकर उसका मन्दिर बनाएगा। यहोवा (जेखारिया ६:१२), और यिर्मयाह २३:१२, “वे दिन आ रहे हैं,” यहोवा कहते हैं, “जब मैं दाऊद के लिए एक धर्मी शाखा बढ़ाऊंगा। वह राजा बनकर राज्य करेगा और सफल होगा, वह वही करेगा जो देश में ठीक और ठीक है। उसके दिनों में यहूदा बचा रहेगा, इस्राएल निडर बसा रहेगा, और उसका नाम यहोवा हमारी धामिर्कता होगा।

मत्ति जो इशारा कर रहा है वह शब्दों पर एक अच्छा नाटक है कि नेटज़र (शाखा) अब शहर में रह रहा है जिसे नटज़ेरेट (शाखा) कहा जाता है। उनके दिमाग में, यह इस अवधारणा की पूर्ण पूर्ति है जिसका वास्तव में कई लेखकों ने तानाख में उल्लेख किया है (वचन २३ में भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से बहुवचन पर ध्यान दें)। यह एक निरीक्षण होने के बजाय कि तानाख में उल्लिखित कोई विशिष्ट कविता नहीं है, यह वास्तव में येशु की मसीहाई योग्यताओं को इस तरह से रेखांकित करता है कि कई प्रथम-शताब्दी (और आधुनिक) यहूदी इसकी सराहना करेंगे। मत्ती के मन में, येशु पूरी तरह से इस्राएल का राजा मसीहा बनने के योग्य है, और निस्संदेह उसे उम्मीद थी कि उसके पाठक उस संभावना का पता लगाना जारी रखेंगे।

इसलिए, यह भविष्यवाणी कि उसे नासरी कहा जाएगा, एक अपेक्षा का प्रतिनिधित्व करती है कि मसीहा कहीं से प्रकट नहीं होगा और परिणामस्वरूप, गलत समझा जाएगा और अस्वीकार कर दिया जाएगा। निस्संदेह, भविष्यवक्ता विशेष रूप से नासरत के बारे में बात नहीं कर सकते थे, जो उनके लिखते समय मौजूद नहीं था। लेकिन तिरस्कृत शब्द नाज़रीन के सुझाव के रूप में यीशु के लिए लागू किया गया था जो भविष्यवक्ताओं ने भविष्यवाणी की थी – एक मसीहा जो गलत जगह से आया था, जो यहूदी परंपरा की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं था, और जो परिणामस्वरूप नहीं होगा उनके लोगों द्वारा स्वीकार किया गया। इस प्रकार, नासरत जैसी जगह में रहने की शर्मिंदगी भी मत्तित्याहू को मनुष्यों द्वारा तिरस्कृत और अस्वीकार किए जाने के रूप में यीशु की एक तस्वीर बनाने में सहायक थी। अतः यह भविष्यवाणी एक सारांश कथन के रूप में पूरी हुई।

Ax – उसे नासरी कहा जाएगा मत्ती २:१९-२३ | 6

इसलिए, यह नीच और तुच्छ नत्ज़ेरेत में था कि परमेश्वर के राजकीय पुत्र ने, अपने धर्मी माता-पिता के साथ, अगले तीस वर्षों के लिए अपना घर बनाया।